Regarding recent ceasefire between India and Pakistan- laid

डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले **(**भन्डारा**-**गोंदिया**) :** भारत की विदेश नीति सदैव आत्मनिर्भरता, रणनीतिक स्वतंत्रता और ?India decides for India? के सिद्धांत पर आधारित रही है । लेकिन मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच अचानक घोषित संघर्ष विराम को लेकर अनेक गंभीर प्रश्न उठे हैं । मीडिया रिपोर्ट्स और विश्लेषकों का कहना है कि इस निर्णय से ठीक पहले भारत को सैन्य रूप से स्पष्ट बढ़त प्राप्त थी, बावजूद इसके संघर्ष विराम की घोषणा ने संदेह पैदा किया है कि कहीं यह अमेरिका के दबाव या मध्यस्थता का परिणाम तो नहीं था । माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व पर हम सभी को विश्वास है, लेकिन यदि इस चर्चा में थोड़ी भी सच्चाई है, तो यह भारत की रणनीतिक संप्रभुता और संसद की भूमिका पर सीधा प्रश्नचिह्न है । यह केवल विदेश नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़ा मुद्दा है । अतः मैं सरकार से जानना चाहता हूं: 1. क्या अमेरिका या किसी अन्य देश ने संघर्ष विराम में कोई भूमिका निभाई? 2. क्या संघर्ष विराम से पहले कोई उच्चस्तरीय कूटनीतिक वार्ता हुई? 3. क्या भारत पर किसी प्रकार का दबाव डाला गया?